कहीं जरूरत पडे तो वह भी कही जाती है । इसमें कभी कोई दो राय नहीं हो सकती है ।

आपने पुलिस के बारे में जो प्रश्न पूछा उसका जवाब तो मैं नहीं दे पाऊंगा । वह फिर कभी गृह मंत्री जी जरूर दे देंगे । उन्होंने आपकी बातें सुनी हैं, इस पर जो भी कार्यवाही करनी है, मेरा विश्वास है, वह करेंगे।

Crimes in Delhi

*44. SHRI AKHILESH DAS:
SHRIMATI VEENA VERMA:†

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a spurt in crimes involving robberies, dacoitics and murders was noticed since June onwards in Delhi;

(b) if so, the figures of such crimes and the toll taken thereby in terms of human lives lost and property looted; and

(c) the steps taken to curb the crime and the results thereof?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L.K. ADVANI): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) The number of cases registered by Delhi Police from June, 1998 to October, 1998, crime-wise and month-wise, is given in the enclosed Statement. (See below). These included 285 cases of murder in which 297 persons were kiBcd. Besides, property worth Rs. 3.38 crores (approx.) was lost during the same period in cases of robbery and dacoity.

The statistics reveals that though there was an increase in crime, both heinous and non-heinous, during the first two to three months of this period, it registered a downward trend during the subsequent two months. This became possible because of a number of measures taken by the Government. These included intensification of patrolling especially from 6.00 P.M. to 10.00 P.M.; surveillance over the activities of known criminals; improved intelligence gathering; raids over the places of ill repute and suspected hideouts of criminals; and high visibility of police in the vulnerable areas. This was backed by periodic reviews, at various levels of the police functioning in the National Capital Territory.

Statement

Number of cases registered by Delhi Police from June, 1998 to October, 1998—Crime-wise and Month-wise

	June	*July*	*Aug.*	*Sept.*	*Oct.*
A. Heinous Crimes					
Dacoity	6	9	6	7	5
Murder	52	59	68	54	52
Attempt to murder	61	65	58	67	49
Robbery	93	99	73	73	71
Rape	54	40	52	37	30
Kidnapping for ransom	2	5	0	2	2
Riot	19	31	18	13	12
TOTAL:	287	308	275	253	221

† The question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Veena Verma.

	June	*July*	*Aug.*	*Sept.*	*Oct.*
B. *Non-Heinous Crimes*					
Snatching	89	123	101	121	118
Hurt	236	254	258	210	238
Burglary	361	360	362	384	371
Theft	2563	2771	2623	2683	2520
Other IPC	2235	2425	2901	2602	2603
TOTAL:	5484	5933	6245	6000	5850
TOTAL IPC	5771	6241	6520	6253	6071

श्रीमती वीणा वर्मा : माननीय गृह मंत्री जी, आपके मंत्रालय के आंकडे कुछ भी कहते हों लेकिन दिल्ली की सड़कें, दिल्ली के घर और दिल्ली की जनता कुछ और कहानियां कहते हैं और अखबार कुछ और कहानियां कहते हैं। आज ही के अखबार देख लें, कोई भी अखबार उठा कर टाइटिल देख लें, "महज अनुमानों पर टिकी है, हत्या की पुलिसिया जां", "पुलिस के वेश में हजारों रूपये का माल लदा ट्रक ले कर फरार हो गये" ओर "श्रीनिवासपुरी" में तलाकशुदा के साथ सामूहिक बलात्कार"। इस तरह के बहुत से अलग आंकडे जो कि प्रेस के द्वारा या जनता के द्वारा कहे जाते हैं। दिल्ली की लॉ एंड आर्डर की हालत सब जानते हैं। दिल्ली में किसी का भी रहना सुरक्षित नहीं है। दिल्ली में किसी का भी रहना सुरक्षित नहीं है। भय, आंतक और अपराध चाहे आप कहीं भी देख लें। अभी हाल ही में बहुत सारे अपराध हुए है। चाहे आकाशवाणी की उदघोषिका की हत्या हों, मालवीय नगर का तिहरा कांड हो और रेलवे महाप्रबन्धक की विधवा की हत्या हो ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती वीणा वर्मा : दिल्ली में लॉ एण्ड आर्डर, लॉ एण्ड डिसआर्डर की स्थिति हो गई है , ऐसा लगता है। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि अभी खास तौर से राजनीतिज्ञ, ब्यूरोक्रेटिक व सरकार या आम जनता, यह एक तरह का आपराधिक नेक्सस बन गया है । हत्या, अत्याचार और मामलों में। तो उस नेक्सस को छोडने के लिए क्या करेंगे और दूसरी चीज जो अभी चुनाव के दौरान सुषमाजी के चुनाव के दौरान हौजखास में नमकीन कांड हुआ जिसमें हजारों लोग बीमार हुए तो उसके लिए सरकार क्या करने जा रही है, क्या स्टेप लिए, क्या सी.बी.आई. जांच कराएंगे इस मामले में? मंत्री जी इनका जवाब दें।

श्री लाल कृषण आडवाणी : सभापति जी, अभी-अभी जो बात वीणाजी ने कही है। लगभग इसी प्रकार का वाक्य मैंने स्वंय में कहा था और बडे मोटे शब्दों में छपा था 4-5 महीने पहले जब दिल्ली के सांसदों के साथ और दिल्ली के पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक करके मैंने कहा था कि यहां पर कानून और व्यवस्था की जो स्थिति है उसको ठीक करना चाहिये। तो आंकडे प्रस्तुत किए गए – पिछले सालों के भी, अभी के भी। उसमें बताया गया कि इतना जो अपराध है वह तो होता ही है , कोई फर्क नहीं है। तब मैंने कहा था कि ये आंकड़े जो हैं ये आंकडे संतोषजनक नहीं है। हमको तो एक फीलिंग चाहिये। पिछले जनू के महीने में बैठक हुई थी और मैं कह सकता हूं कि जून, जुलाई महीनों के बाद तीन महीने जो बीते हैं उसमें फर्क आया है क्योंकि कदम उठाए हैं । ऐसा नहीं है और अब आंकडे भी आप देखेगी तो उनमें भी फर्क दिखेगा। लेकिन कुल मिलाकर जो फीलिंग है उस फीलिंग में यह हुआ कि जो कदम उठाए है। उनका प्रभाव हुआ है। लेकिन मैं जानता हूं कि दिल्ली में काफी समय से काफी सालों से एक चुनौती भरी स्थिति रही है। यह एक ऐसा महानगर है जहां हर साल 5 लाख आबादी बढ़ती है और भी कई सारे फैक्टर्स हैं और पुलिस के लिए बहुत बड़ी जवाबदेही है। पिछले दिनों में हमने इस दिशा में

`` पुलिस की गश्तों के द्वारा और जो गलत प्रकार के लोग है उनके खिलाफ कार्यवाही करने के द्वारा और जिन-जिन एरियाज में अपराध ज्यादा है वहां पर पुलिस की हाई विजिबिलिटी हो इस माध्यम से और इम्प्रूव्ड इंटेलीजेंस के द्वारा जो कदम उठाए है उनका परिणाम आया है । लेकिन मैम मानूंग कि और कदम उठाने की जरूरत है । आपने इस कांड का उल्लेख किया कि जिसमेम कई लोग बीमार हो गए फूड पाइजनिंग था या कुछ और था –इसकी छानबीन हो रही है ।

श्रीमती वीणा वर्मा: सर, सेकेंड क्वेश्चन । खास तौर से महिलाओं के जो मामले है चाहे बलात्कार हो या इन पर कोई छीना-झपटी हो या उन पर कोई अत्याचार हो, मोलेस्टेशन हो तो उनमें यह देखा जाता है कि पहले तो एफ. आ.ई. आर. नहीं लिखी जाती है । महिला थाने खोलने के लिए भी आपका सुझाव था । सोनीपत, हरियाणा में बहुत से महिला थाने खोले गए थे पिछले समय । मैंने चार वर्ष पूर्व उसको उठाया भी था । 18 महिला थाने खोले गए । उनको एक तो ब्यूरोक्रेट्स और कुच कहिए कि प्रभावशाली लोगों और राजनीतिक, पुलिस ने मिलकर बंद करवाने की कोशिश की और वे बंद किए गए । उनमें काफी केसेज निपटाए गए थे, अच्छी तरह से जिम्मेदारी से निपटाए गए थे । तो क्या मंत्री जी पहले तो मुझे आश्वासन देंगे कि महिला थाने स्पेशली महिलाओं के द्वारा ही चले जहां एफ. आ.ई. आर. लिखवाई जा सकें? क्या उस पर जोर देंगे? उनको खुलवाने के सिवाय दूसरी चीज जो एन. सी, डब्ल्यूं, जो महिला कमीशन है क्या उसको यह पावर देने की भी आप सोचेंगे कि वहां पर जो रिपोर्ट दर्ज की जाए वह एफ. आ.ई. आर. समझी जाए?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: महिला थानों का जो सुझाव है वह काफी समय से विचाराधीन रहा है । कई राज्यों में सफलतापूर्वक क्रियान्वित हुआ है । दिल्ली में कुच साल पहले प्रयोग हुआ । वह सफल नहीं हुआ । लेकिन फिर भी मैंने अपने पुलिस अधिकारीयों को कहा कि इस पर फिर से विचार करना चाहिए । उनका कहना यह है कि दिल्ली में सफल नहीं हुआ है .....(**व्यवधान**)

श्रीमती वीणा वर्मा: उसमें तो सफलता रही है ।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: लेकिन इस पर जरूर विचार करेंगे । कुल मिलाकर के भी यहां निर्णय हुआ है कि 17 और नये थाने खोले जाए और वैसे साधारणतया बहुत समय लगता है लेकिन मैं आशा करता हूं कि 31 जनवरी, 199 के महीने तक ये आपरेशनल हो जाएंगे।

MR. CHAIRMAN: Question No. 58, on the same subject. Shri K.K. Birla. Do you want to put a question? *(Interruptions).*

श्रीमती वीणा वर्मा : महिला थाने और एन.सी.डब्ल्यू. ए. – नेशनल कमीशन फार वीमेन में जो एफ.आई.आर. लिखी जाए या जो एप्लीकेशन दर्ज हो वह एफ.आई.आर. मानी जाए इसके बारे में बताएं ।

श्री लाल कृष्णआडवाणी : महिला आयोग के अपने अधिकार हैं और उनमें कोई बढ़ोतरी का कंक्रीट प्रस्ताव आएगा तो जरूर विचार करेंगे ।

SHRIMATI JAYANTHI NATRA-JAN: First, appoint a Chairman for the National Commission for Women.

श्रीमती चन्द्रकला पांडेय : सभापित महोदय, मैं माननीय गृह मंत्री जी से केवल यह कहना चाहूंगी कि जो आंकड़े आपने दिए हैं उन आकडों में आपने कहा है।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Proposal to Construct A Hotel at Borra Caves

*45. SHRI SOLIPETA RAMA CHANDRA REDDY: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) whether Borra caves near Araku valley in Vizag District in Andhra Pradesh are unique in our country;

(b) whether I.T.D.C. has any proposal to construct a hotel for the convenience of middle class tourists in that area;

(c) if so, the details thereof; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF TOURISM (SHRI MADAL LAL KHURANA): (a) Yes, Sir.